चालो आपा चाला चूरू धाम जी जठे अटकियोडा

तर्ज - मेहंदी राचन लागी हाथा में....

आओ आपा मिलकर चाला , जठे चुरू धाम जी
जठे अटकियोडा बण जासी , थारा सगळा काम जी

लागी लागी रे लगन , बाबोसा रे नाम री
दुनिया हुई है दीवानी , ईण चुरू धाम री

मूरत सुहानी थारी , प्यारो प्यारो मुखड़ो
चम चम चमके जंय्या , चाँद रो टुकड़ो
बरसे नैना सु अमीरस , देखो अविराम जी
दुनिया हुई है दीवानी , ईण चुरू धाम री
आओ आपा मिलकर चाला...

बाबोसा ने देख भगता , होया है निहाल जी
जादू सो कर गयो , माँ छगनी रो लाल जी
संकट सारा ही हर लेवे बाबोसा रो नाम जी
दुनिया हुई है दीवानी , ईण चुरू धाम री
आओ आपा मिलकर चाला...

चूरू में बणियो थारो , धाम ओ न्यारो
केवे मंजू बाईसा ओ , लागे घणो प्यारो
दिलबर केवे भक्ता चालो , चाला चुरू धाम जी

वठे अटकियोडा बण जासी , थारा सगळा काम जी
लागी लागी रे लगन , बाबोसा रे नाम री
दुनिया हुई है दीवानी , ईण चुरू धाम री

।।।।
✍ रचनाकार ✍
दिलीपसिंह सिसोदिया
❤ दिलबर ❤
नागदा जक्शन म.प्र.

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/19844/title/chalo-aapa-chala-churu-dhaan-ji-jhthe-atkiyoda

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |